वण व्यापारी मारा सतगुरु आया भजन लिरिक्स

वण व्यापारी मारा सतगुरु आया,
वण व्यापारी मारा सतगुरु आया,
कोई कोई चीजो लाया रे हे हा,
लोंग सुपारी वीरा डोडा एलसी,
लोंग सुपारी वीरा डोडा एलसी,
भारी वस्तु लाया रे।
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
वनज को जारे लाभ चोगणा,
वनज को जारे लाभ चोगणा,
हाट बाजारों माय रे हा हा।
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

साचा जघेरी हीरा परखन लागा,
साचा जघेरी हीरा परखन लागा,
नुगरा ने ठोकर मारे रे।
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

तीन गुणा री भाई घड़ी वनाई रे,
तीन गुणा री भाई घड़ी वनाई रे,
अवगुण डोडा माय रे ह हा,
ओम सोभ दोई तोलण बेठा,
ओम सोभ दोई तोलण बेठा,
गणता ही भले नाइ रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

रात दिन री चौसट घड़ी रे,
रात दिन री चौसट घड़ी रे,
पल भर बिछुड़ नाही रे है हा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु शरणे माली लकमोजी बोले,
गुरु शरणे माली लकमोजी बोले,
खेलत जोनत वे नर भाई रे।
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

वण व्यापारी मारा सतगुरु आया,
वण व्यापारी मारा सतगुरु आया,
कोई कोई चीजो लाया रे हे हा,
लोंग सुपारी वीरा डोडा एलसी,
लोंग सुपारी वीरा डोडा एलसी,
भारी वस्तु लाया रे।
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे,
मनवा वनज करे नी मारा भाई रे।bd।

गायक – ओमप्रकाश प्रजापत।
भजन प्रेषक – डूंगाराम प्रजापत
9588915518

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com